12.00 Noon

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

Widening scope of CSR activities in promotion of sports

*166. SHRI DILIP KUMAR TIRKEY: Will the Minister of YOUTH AFFAIRS AND SPORTS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the All India Council of Sports (AICS) has requested the Ministry to take up the matter of widening the scope for Corporate Social Responsibility (CSR) activities in sports promotion with the concerned Ministry; and

(b) if so, what is the latest update in this regard?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF YOUTH AFFAIRS AND SPORTS (SHRI VIJAY GOEL): (a) and (b) A Statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) and (b) Yes, Sir. All India Council of Sports (AICS) has written to the Ministry of Youth Affairs and Sports for taking up the matter with the Ministry of Corporate Affairs for inclusion of following areas of sports promotion in Schedule VII of the Companies Act, 2013 regarding utilization of funds under Corporate Social Responsibility (CSR) by the Companies:

- Training including hiring of the services of Indian and foreign coaches,
- Training and competitions in India and abroad
- Sponsoring National and International Competitions
- Creation and maintenance of sports infrastructure
- Upgradation and renovation of existing sports facilities
- Sports equipment (consumable and non-consumable)
- Sports science support including setting up Gymnasium and Rehabilitation Centres

President, AICS had also written to Minister of Finance and Corporate Affairs for inclusion of above-mentioned areas of sports promotion in Schedule VII of the Companies Act, 2013.

The Ministry of Corporate Affairs has informed AICS that Schedule VII of the Companies Act 2013 read with Companies (CSR Policy) Rules and General Circulars dated 18th June 2014 and 12th January 2016 issued by the Ministry of Corporate Affairs allows the following items to be eligible under CSR:

(i) Creation and maintenance of sports infrastructure;

(ii) Upgradation and renovation of existing sports facilities; and

(iii) Sports science support including setting up of Gymnasium and Rehabilitation Centres.

The Ministry of Youth Affairs and Sports also took up *vide* its letter dated 21.6.2016 with the Ministry of Corporate Affairs the issue of widening the scope of CSR activities in sports promotion by revising the existing entry in either of the following two ways:

(a) Promotion and development of sports and games

(b) Promotion of rural sports, nationally recognized sports, Paralympics sports and Olympic sports.

The Ministry of Corporate Affairs has *vide* its Office Memorandum dated 19.7.2016 intimated that the changes proposed by this Ministry would be examined by them while reviewing amendments to Schedule VII of the Companies Act, 2013.

श्री दिलीप कुमार तिर्कीः सर, 5 अगस्त से ओलम्पिक्स शुरू होने वाले हैं। हमारी मिनिस्ट्री, डिपार्टमेंट, साई, एसोसिएशंस, प्लेयर्स सभी काफी मेहनत कर रहे हैं और उम्मीद कर रहे हैं कि 7-8 मेडल्स आने वाले हैं। हमारे सदन की ओर से सभी को all the best.

महोदय, आज स्पोर्ट्स जगत में यह देखने को मिल रहा है कि स्पोर्ट्स में जैसे एक सूनामी आ गई है। कई सारे स्पोर्ट्स पानी के ऊपर तैर रहे हैं और बाकी काफी सारे स्पोर्ट्स पानी के अन्दर डूबने जा रहे हैं। सर, यह काफी दुख की बात है। मैं कहना चाहूँगा कि हम आज गर्व के साथ कहते हैं कि वर्ल्ड के रिचेस्ट टॉप स्पोर्ट्स सेलिब्रिटीज़ ने हमारे इंडिया के महेन्द्र धोनी जी 31वें नम्बर पर हैं और हमारे सचिन तेंदुलकर 78वें नम्बर पर हैं, वहीं हमारे जितने भी इंटरनेशनल खिलाड़ी हैं, woman खिलाड़ी हैं, वे कहीं पर चाय बेच रहे हैं, कहीं पर गोलगप्पे बेच रहे हैं, तो कहीं पर ढाबा चला रहे हैं। सर, यह काफी दुख की बात है।

सर, जहाँ तक हमारा 2015-16 का जो स्पोर्ट्स बजट है, वह 1,592.00 करोड़ है। जमैका का स्पोर्ट्स बजट 4,282.24 करोड़ है, ऑस्ट्रेलिया का 893.54 करोड़ है और बीसीसीआई का 1,266.41 करोड़ है। सर, अगर हम जमैका का देखें, तो उसकी पॉपुलेशन बहुत कम है, तो उसके हिसाब से हमारा बजट काफी कम है। जहाँ तक हम बीसीसीआई की बात करते हैं, तो वह एक खेल के लिए ही इतने हजारों करोड़ रुपये sponsorship के जरिए कहीं से लेकर आ रहा है, यह अच्छी बात है। लेकिन

हमें सोचना पड़ेगा कि हमारी स्पोर्ट्स मिनिस्ट्री और डिपार्टमेंट ने 65 स्पोर्ट्स को, 65 फेडरेशंस को affiliation दिया है। तो मैं यह कहना चाहूँगा कि 65 स्पोर्ट्स के लिए हमारे पास जो बजट है, वह बहुत कम बजट है। हमें सब खेलों को प्राइयॉरिटी के हिसाब से लेना होगा। हम खेलों को प्राइयॉरिटी के हिसाब से लेते हैं। यदि एक स्पोर्ट्समैन स्पोर्ट्स के जरिए अपना कैरियर बनाना चाह रहा है, तो हमें उसे पूरा मौका देना चाहिए। हाँ, यदि कोई sports international level पर अच्छा नहीं कर रहा है, तो उसको withdraw कर दीजिए। लेकिन किसी प्लेयर या स्पोर्ट्समैन के कैरियर के साथ खिलवाड़ नहीं करना चाहिए। इसलिए मैं आपको यह कहना चाहूँगा कि जो भी इसके लिए बजट ...(**व्यवधान**)... CSR के हेड पर लाना चाह रहे हैं, तो मैं इतना ही पूछना चाहूँगा कि सरकार कितना पैसा जुटाने की कोशिश कर सकती है?

श्री विजय गोयलः सर, मैं तिर्की साहब का धन्यवाद करना चाहता हूँ। वे अच्छा सपोर्ट कर रहे हैं और फाइनेंस मिनिस्टर साहब यहाँ बैठे हुए हैं। स्पोर्ट्स का बजट बढ़ना चाहिए। वाकई में 1,000 करोड़ का बजट थोड़ा कम है। हमारे 160 करोड़ तो साई के स्टेडियम्स को ठीक करने में लगने हैं। जहाँ तक CSR का मामला है, तो CSR के अन्दर पहले 4 मद ही कवर होते थे, परन्तु जब हमने कॉरपोरेट अफेयर्स मिनिस्ट्री को लिखा, तो उनके अलावा हमारे अन्य मद भी इसमें कवर होने लग गए, जिसमें investment in sports, है, increased performance है। हम competitive equipments के लिए भी financial support चाहते हैं और हमें जो दिया जा रहा है और अभी जो जोड़ा गया है, वह training to promote rural sports and nationally recognized sports है। Paralympics sports और Olympics sports के लिए भी CSR के लिए फंड दिया जा सकता है।

सर, अभी जो हमारा नेशनल स्पोर्ट्स फंड है, उसमें करीब 145 करोड़ हमारे पास हैं, जोकि मैं समझता हूं कि बहुत ही कम हैं। हुआ यह है कि पिछले सालों के अन्दर, पिछले दिनों के अन्दर, लोगों ने अपनी-अपनी Foundations बना ली हैं, जैसे, पेट्रोलियम मिनिस्ट्री है, उसने अपनी Foundation बना ली है और वह उसमें खर्च कर रही है। ऐसे ही रेलवे वालों ने अपना Foundation बना लिया है और वे उसमें खर्च कर रहे हैं। तो CSR Fund लाने के लिए अलग-अलग reginal जगहों के ऊपर कॉरपोरेट्स के साथ हम मीटिंग्स करेंगे। Already, मेरी एसोचेम और फिक्की के representatives से बात हुई है। सर इस समय हमारा 119 खिलाड़ियों का सबसे बड़ा contingent रियो ओलम्पिक में जा रहा है और हम अभी से 2020 के टोक्यो ओलंपिक की तैयारियों में जुटने वाले हैं। हम सभी स्पोर्ट्स को प्रमोशन देना चाहते हैं, पर हमने ज्यादातर higher priority, priority और general में इसलिए रखा है, क्योंकि हमारे पास फंड्स की लिमिट है। हम कोशिश करेंगे कि किसी भी स्पोर्ट्स में जो भी खिलाड़ी अच्छा है और उसको आगे आना है, तो हम उसके लिए स्पेशल ट्रेनिंग का इंतजाम करेंगे।

श्री दिलीप कुमार तिर्कीः सर, हमारी मिनिस्ट्री या डिपार्टमेंट न स्पोर्ट्स कोटा रिक्रूटमेंट की मॉनिटरिंग करती है, न स्कूल, कॉलेज, यूनिवर्सिटी स्पोर्ट्स को मॉनिटर करती है, न ट्राइबल स्पोर्ट्स को मॉनिटर करती है और न कॉरपोरेट सेक्टर स्पोर्ट्स को मॉनिटर करती है। कॉरपोरेट सेक्टर में जितने भी स्पोर्ट्स डिपार्टमेंट्स हैं, वहां पर न तो डॉक्टर है, न फिजियो है और न ही ट्रेनर है। वहां पर कुछ भी नहीं है, ऐसी हालत में हमारा स्पोर्ट्स चल रहा है।

महोदय, इस सूनामी से बचाने के लिए मैं आपके माध्यम से माननीय खेल मंत्री जी से जानना चाहता हूँ कि जब वाजपेयी सरकार थी, उस दौरान एक स्पोर्ट्स पॉलिसी ड्राफ्ट हुई थी, पर वह लागू नहीं हो पायी, क्या स्पोर्ट्स के प्रमोशन के लिए आप नेशनल स्पोर्ट्स पॉलिसी लाने का प्रयास कर रहे हैं?

श्री विजय गोयलः सर, स्पोर्ट्स पॉलिसी तो 2001 से ही है, जिसके अंदर हमने broad basis of sports, excellence in sports और infrastructure in sports की बात की है और स्पोर्ट्स की general activities को increase करने की बात है। सर, स्पोर्ट्स स्टेट सब्जेक्ट है और स्पोर्ट्स के प्रमोशन में फेडरेशन्स का बहुत बड़ा रोल है, पर इसको और ज्यादा प्रमोट करने के लिए, स्कूलों में इसको ज्यादा प्रमोट करने के लिए, जो नेशनल स्कूल्स गेम्स हैं, हम उनको बढ़ावा दे रहे हैं। अभी उसमें सारे स्कूल्स participate नहीं करते हैं। हमारी यह कोशिश है कि इसमें सारे स्कूल्स participate करें। अब जैसे फुटबॉल आएगा, फुटबॉल के संदर्भ में हमारी कोशिश है कि हम फीफा और All India Football Federation के साथ मिल कर 25 हजार स्कूलों में कोच भेजें और फुटबॉल को आगे प्रमोट करें। इसी तरीके से जो indigenous games हैं, जैसे हॉकी है, कबड्डी है, खोखो है, उनको भी हम बढ़ावा देना चाहते हैं।

SHRIMATI M.C. MARY KOM: Respected Deputy Chairman, Sir, it is a privilege to speak in front of all the hon. MPs. First of all, I would like to wish all the participants of the Indian contingent for the Rio Olympics. My best wishes are always with them.

Sir, what plans does the Government have to increase the Budget and promote Olympic sports? I had been participating in international games like the Olympics and the Asian Games. The players face a lot of difficulties like lack of proper training facilities, a proper diet, etc. Actually, Sir, the diet that was given to us never got served at the right time. It was only at the time that we participated in the actual competition that the food came. During the training session, diet is not given on time. I just wanted to share that idea and know from the Minister as to how much budgetary support could be given for the promotion of Olympic games. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Minister, please reply.

श्री विजय गोयलः सर, एम.सी. मेरी कॉम जी ने बहुत अच्छा प्रश्न उठाया है। अगर उनके पास डायट से संबंधित कोई specific case किसी सेंटर के हों, तो वे हमें जरूर बताएं। अभी जो 119 खिलाड़ियों का दल रियो ओलंपिक में जा रहा है, हमने इनको customized training दी है, इंडियन कोचेज़ के अलावा जिनको फॉरेन कोचेज़ की जरूरत थी, उनको वह दी है। जो डायट इनको उपलब्ध होनी चाहिए थी, वह दी है। इनको बढ़िया से बढ़िया डायट दी है। जिनको बाहर ट्रेनिंग लेनी थी, उनको बाहर ट्रेनिंग दी है। हमने 30 लाख से लेकर एक-एक करोड़ रुपए तक एक-एक ईवेंट और एक-एक खिलाड़ी के ऊपर खर्च किया है। मैं समझता हूं कि जिन खिलाड़ियों से हमें पदक की संभावनाएं हैं,

उनके लिए हम कर ही रहे हैं, पर साई ने ऐसा भी अपने रूल्स रेग्युलेशन में बनाया है, जिसके अंदर खिलाड़ियों को अच्छी से अच्छी डाइट दे। सारे सदन की चिंता यह है कि बजट आना चाहिए। बजट तीन जगह से आएगा। एक फाइनेंस मिनिस्ट्री से आ सकता है, दूसरा सी.एस.आर फंड से आ सकता है और तीसरा जो नेशनल स्पोर्ट्स फंड में, और भी जो लोग हों वह करें और या फिर एन.आर.आई़ज़. की तरफ से भी फंड हो, तो हम उसकी भी कोशिश करेंगे।

श्री प्रेम चन्द गुप्ताः महोदय, देश में हमारे यहां स्पोर्ट्स का मतलब क्रिकेट समझा जाता है। आपने बार-बार पहले भी अपने मेडन सवाल के जवाब में कहा कि स्पोर्ट्स स्टेट सब्जेक्ट है। श्रीमान् जी, स्पोर्ट्स जो है वह देश के लिए एक हुनर है, जैसे ओलम्पिक में हमारी टीम गई है और वहां पर गोल्ड मैडल जीतते हैं या सिल्वर मैडल जीतते हैं। तो इससे देश का एक मान बढ़ता है। दुनिया के सब मुल्क बड़े-बड़े कम्पिटीशन में मैडल जीतने के लिए क्या-क्या नहीं करते, कितना खर्च करते हैं, कितना ट्रेनिंग प्रोग्राम करते हैं। गोयल साहब, आपको एक अच्छा मौका नरेन्द्र मोदी साहब ने दिया है, आप स्पोर्ट्स को बढ़ाने का काम करिए।

जहां तक सवाल है सी.एस.आर. का, सी.एस.आर. में आप कारपोरेट सैक्टर को अपने साथ लीजिए, उनको कांफिडेंस में लीजिए। वैसे आपकी सरकार कॉरपोरेट सैक्टर को चोर समझती है। लेकिन फिर भी irrespective of that, ये समझते हैं, ये बोलते कुछ और हैं और समझते कुछ और हैं। श्रीमान् जी, कहने का मतलब यह है कि सी.एस.आर. में आप कॉरपोरेट सेक्टर को जरूर इंवॉल्व करिए, लेकिन मैं यह बोलना चाहूंगा कि क्रिकेट को सी.एस.आर. से दूर रखें। यह नहीं हो कि सी.एस.आर. में क्रिकेट को इन्क्लूड कर दिया जाए। ...(**व्यवधान**)...

श्री राजीव शुक्लः क्रिकेट गवर्नमेंट से एड नहीं लेती। ...(**व्यवधान**)...

श्री प्रेम चन्द गुप्ताः सुनिए, श्रीमान जी, ...(**व्यवधान**)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Shuklaji, let him speak. *...(Interruptions)...* Let him put the question.

श्री प्रेम चन्द गुप्ताः मेरी बात तो सुनिए। ...(**व्यवधान**)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Shuklaji, I have not allowed you.

श्री राजीव शुक्लः मैं क्लेरिफाई कर रहा हूं ...(**व्यवधान**)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Shuklaji, let him put the question. *...(Interruptions)...* Shuklaji, don't do that. शुक्ल जी, बैठिए। ...(**व्यवधान**)... Shuklaji, don't do that. शुक्ल जी, ऐसा न करिए। ...(**व्यवधान**)... Guptaji, you put the question.

श्री प्रेम चन्द गुप्ताः जो इनको तकलीफ होनी थी वह एक नेचुरल तकलीफ है, मैं उसको समझ रहा हूं। ...(**व्यवधान**)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: No, no. ...*(Interruptions)*...

श्री प्रेम चन्द गुप्ताः आप क्यों क्रिकेट में टैक्स का एक्जम्पशन लेते हैं? ...(**व्यवधान**)...

श्री राजीव शुक्लः हम कोई एक्जम्पशन नहीं लेते। ...(**व्यवधान**)...

श्री प्रेम चन्द गुप्ताः आप आई.पी.एल. में टैक्स की एक्जम्पशन लेते हैं। ...(**व्यवधान**)... आप लेते हैं। ...(**व्यवधान**)... आपके ऊपर आर.टी.आई नहीं लगता। आपके ऊपर आर.टी.आई. क्यों नहीं लगता? ...(**व्यवधान**)... अपने एकाउंट चैक करवाइए। ...(**व्यवधान**)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: What is this? ...*(Interruptions)*... Shuklaji, it is not allowed. ...*(Interruptions)*... You need not respond to Rajeev Shuklaji. ...*(Interruptions)*... Prem Chand Guptaji, don't react to him. ...*(Interruptions)*... वह मत सुनो, आप मेरे को बोलिए। ...(**व्यवधान**)... प्रश्न पूछिए। ...(**व्यवधान**)...

श्री प्रेम चन्द गुप्ताः श्रीमान जी, इस हाउस की परम्परा है कि जो आदमी जिस चीज में इंटरेस्टेड है, उसमें पार्टिसिपेट नहीं कर सकता और राजीव शुक्ल बी.सी.सी.आई., आई.पी.एल. ...(**व्यवधान**)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Shuklaji, you have been caught. प्रश्न पूछिए। ...(**व्यवधान**)...

श्री प्रेम चन्द गुप्ताः मैं कॉरपोरेट में था लेकिन आज नहीं हूं। ...(**व्यवधान**)... मैं डिनाई नहीं करता और मैं पिछले 20 साल से कॉरपोरेट में नहीं हूं और मैं राजीव शुक्ल जी को यह बतलाना चाहता हूं कि मेरा कॉरपोरेट से कोई संबंध नहीं है।

श्री उपसभापतिः अपना सवाल पूछिए।

श्री प्रेम चन्द गुप्ताः श्रीमान जी, मेरा सवाल यह है कि उनको एन्करेज करना चाहिए जिसमें फंड की शॉर्टेज है जिनको तकलीफ है। जिनके पास ऑलरेडी सरप्लस फंड्ज़ हैं ...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापतिः नहीं-नहीं, ऐसा मत बोलो। ...(**व्यवधान**)...

श्री प्रेम चन्द गुप्ताः उनको कोई फायदा नहीं है, उसको इन्क्लूड कर लिया जाए। ...(**व्यवधान**)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Now, Mr. Minister, please reply. That is a good question.

श्री विजय गोयलः सर, ऐसा बात नहीं है। क्रिकेट में तो सभी लोग हैं और इनके लोग भी क्रिकेट के अंदर हैं। ...(**व्यवधान**)...

श्री प्रेम चन्द गुप्ताः मैं क्रिकेट के खिलाफ नहीं हूँ। ...(**व्यवधान**)...

श्री विजय गोयलः सर, ...**(व्यवधान)**...

श्री उपसभापतिः ठीक है, आप बोलिए। Premchand Guptaji, don't convert it into a discussion. ...*(Interruptions)*... There are other questions. ...*(Interruptions)*...

श्री विजय गोयलः सर, बीसीसीआई को किसी फंड की जरूरत नहीं है। पहले बीसीसीआई ने 50 करोड़ दिए थे। मैं समझता हूँ कि बीसीसीआई चाहे तो आगे भी अन्य स्पोर्ट्स के प्रमोशन के लिए पैसे दे सकती है। सर, इन्होंने जो दूसरी बात कही, उस पर मैं कहना चाहता हूँ कि कॉरपोरेट सेक्टर को चोर कहना बिल्कुल गलत बात है और ऐसा हमारे मुँह में मत डालिए। कॉरपोरेट सेक्टर्स से ही सब लोग बात कर रहे हैं कि हमें उनको encourage करना चाहिए ताकि हम ज्यादा से ज्यादा अवार्ड्स ला सकें। तीसरी बात इन्होंने यह कही कि बड़े-बड़े मुल्कों में ट्रेनिंग की व्यवस्था है। मैं बताना चाहता हूँ कि हमने भी यहाँ टारगेट ओलम्पिक पोडियम की स्कीम बनाई, उसमें यही था कि उनको ज्यादा से ज्यादा फैसिलिटीज़ और ट्रेनिंग देकर हम ज्यादा से ज्यादा पदकों को जीतें। एक तरफ जब आपने हमारे ऑनेस्ट खिलाड़ियों को बधाई दी है, तो वहीं दूसरी और आप लोग नीरज चोपड़ा को भी बधाई दीजिए, जिन्होंने जैवलिन थ्रो स्पर्धा में वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ा है और सबसे अच्छी अचीवमेंट प्राप्त की है।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Praful Patel, Please put direct questions because others are waiting to ask questions.

SHRI PRAFUL PATEL: Sir, since there was a lot of discussion ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Don't go for discussion. Put straight question.

SHRI PRAFUL PATEL: I disclose my interest. I am the President of the All India Football Federation. I have every right to ask a question after disclosing my interest. ...*(Interruptions)*... Also, I would tell Mr. Jairam Ramesh that we fall under RTI and we follow a National Sports Code. Therefore, we follow everything from age limit to... *(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: This is not for explanation. ...*(Interruptions)*... There is no time for explanation; you put your question. ...*(Interruptions)*...

SHRI PRAFUL PATEL: All this was going on, and accusing other Sports Federations is ...*(Interruptions)*... I am clarifying. ...*(Interruptions)*... Cricket may be one ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Put your question. ...*(Interruptions)*... Don't mind that; put your question. ...*(Interruptions)*...

SHRI PRAFUL PATEL: Sir, everybody was being painted with the same brush. So, I am just clarifying that we are not part of the same fraternity which Mr. Rajeev Shukla is associated with.

THE MINISTER OF FINANCE AND THE MINISTER OF CORPORATE AFFAIRS (SHRI ARUN JAITLEY): Your are righteously there.

SHRI PRAFUL PATEL: Yes, righteously there!

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Put your question. ...*(Interruptions)*...

SHRI PRAFUL PATEL: Sir, the only limited issue here is that, as my friend rightly pointed out, all Sports Federations and all sports, as such in India, face a huge shortage of funds. I don't blame anybody, neither the Government nor any Federation because at the end of the day limited resources are available and it is difficult to manage with them. CSR is a good initiative. In reply to the question, the scope of CSR activity, as the Ministry of Sports has decided or requested, has not been fully met and some requests are still pending with the Ministry of Finance for inclusion of those activities in the CSR fund. That reply is very clear; see the lower part of the reply. So, I request that that matter be taken up at the earliest so as to expand the scope of CSR; otherwise, whatever has been accepted is very ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Put your question, please.

SHRI PRAFUL PATEL: And I am thankful to the Minister also for acknowledging that he is taking special interest in football; he is going to promote football in 25,000 schools in the country. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Don't convert it into a discussion. ...*(Interruptions)*...

SHRI PRAFUL PATEL: I am also thankful that the FIFA U-17 World Cup is going to be held next year for the first time in India, which is a good thing. Would the hon. Minister consider setting up of a National Training Centre for football as Centre of Excellence with the limited funds he has.

श्री विजय गोयलः सर, फुटबॉल को बढ़ावा देने के लिए इसी साल "ब्रिक्स" भी हो रहा है, अगले साल अंडर 17 फीफा टूर्नामेंट हो रहा है, हम 25 हजार स्कूलों के अंदर फीफा के साथ मिलकर कोच भेजने वाले हैं, फुटबॉल को प्रमोट करने के लिए 30 सिटीज़ के अंदर एक्टिविटीज़ होने वाली है, तो मैं समझता हूं कि फीफा के साथ मिलकर एक तरह से फुटबॉल को बुखार अगले साल तक देश में चढ़ेगा। ...(**व्यवधान**)...

श्री प्रफुल्ल पटेलः सेंटर ऑफ एक्सिलेंस के बारे में भी तो कुछ कहिए। ...(**व्यवधान**)...

श्री विजय गोयलः हमने आपको पहले ही बताया है कि अभी तो हम एकैडमीज़ खोल रहे हैं। ...(**व्यवधान**)... सुनिए, हमने पाँच एकैडमीज़ खोली हैं, 8 और एकैडमीज़ में फुटबॉल को भी हम रखेंगे, ताकि वहाँ पर ट्रेनिंग प्लेस ऑफ एक्सिलेंस बने।